Conversion of Murtizapur-Yavatmal Murtizapur-Achalpur and Pulgaon-Arvi Railway Line

2645. SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL :
SHRI CHANDRABHAN ATHARE PATIL :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether in 1979 the Vidarbha Development Corporation had closely examined and found that the Murtizapur-Yavatmal, Murtizapur-Achalpur and Pulgaon-Arvi railway lines which were constructed in 1969-70 were serving a great social cause and people being benefited substantially, there was full justification for continuing these lines and also to convert them into broad gauge;

(b) whether it is also a fact that the Government of Maharashtra have repeatedly urged the Control Government to include these lines in their scheme for conversion of lines, but so far this has not been done; and

(c) whether keeping in view the economic backwardness of Vidarbha, Government will include these projects in their next programme for conversion into broad gauge, and if so, by what time ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A. B. A GHANI KHAN CHOUDHURY) : (a) to (c) These rail lines were constructed in 1916-17. Representations have been received from the Government of Maharashtra and the members of the Public for continuing the Murtizapur-Yavatmal, Murtizapur-Achalpur and Pulgaon-Arvi N. G Sections and also for converting them into B. G.

There is at present no proposal to close down these lines. In view of severe constraint of resources and heavy commitments already on hand, conversion of these lines into B. G. has not been considered so far.

नई दिल्ली नगर पालिका के एलोपैथिक, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक औषधालयों के लिए 1983-84 के लिए निर्धारित बजट राशि का उपयोग न किया जाना

2646. श्री निहाल सिंह :
श्री राम सिंह शाक्य :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री नई दिल्ली नगर पालिका के औषधालयों में दवाइयों का उपलब्ध न होना और उसके लिए बजट प्रावधान के बारे में 19 अप्रैल, 1984 के अतारांकित प्रश्न संख्या 8230 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नई दिल्ली नगर पालिका ने 1983-84 के दौरान एलोपैथिक, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक औषधालयों के लिए दवाइयां खरीदने हेतु क्रमशः 55 लाख रुपये, 3 लाख रुपये और 4 लाख रुपये के प्रावधान के समक्ष, ये दवाइयां खरीदने पर अलग-अलग कुल कितनी राशि खर्च की;

(ख) नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा चलाये जा रहे ऐलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक औषधालयों की संख्या कितनी है और क्या उनकी संख्या के हिसाब से उपरोक्त बजट-प्रावधान पर्याप्त है ; और

(ग) क्या आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयों की खरीद पर इनके लिए निर्धारित बजट राशि की तुलना में कम धनराशि खर्च की गई जबकि औषधालयों में इन दवाइयों की कमी है और यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?